राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–prrajbhavan@gmail.com
मो॰–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

''राष्ट्र नागरिकों के चरित्र से बनता है''–राज्यपाल

पटना, 17 जून 2018

''राष्ट्र नागरिकों के चरित्र से बनता है। इमारतें और आधारभूत संरचनाएँ समृद्धि जरूर बढ़ाती है परन्तु देश को ताकत मिलती है– नागरिकों के चरित्र–बल से, उनकी सत्यनिष्ठा और ईमानदारी से, कर्त्तव्य–परायणता और त्याग से।'' –उक्त उद्‌गार, राज्यपाल श्री सत्य पाल मलिक ने आज स्थानीय ज्ञान भवन सभागार में आयोजित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना (National Institute of Technology, Patna) के 7वें दीक्षान्त समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

राज्यपाल श्री मलिक ने विगत 14 जून, 2018 को एस॰के॰ मेमोरियल हॉल, पटना में पटना विश्वविद्यालय छात्रसंघ द्वारा आयोजित 'छात्र संवाद' कार्यक्रम में दिये गये अपने एक वक्तव्य के बारे में आज के 'दीक्षांत समारोह' के प्रारंभ में ही मीडिया कर्मियों को विशेष रूप से सम्बोधित करते हुए कहा कि **–''आज से तीन–चार दिन पहले स्टूडेन्ट्स लीडरों की एक मीटिंग में छात्राओं के संदर्भ में बोलते हुए मैंने कहा था कि आपके साथ यदि कहीं ज्यादती हो और आपकी सुनवाई न हो रही हो, तो आप राजभवन फोन कर सकती हैं और हम पुलिस तक पहुँचने में आपकी सहायता कर सकते हैं। ऐसे दो मामले हुए थे और हमने उसमें हस्तक्षेप किया, और वो हस्तक्षेप प्रशासन के जरिये किया, चूँकि हमारे पास वो सरकार है, जिसके हेड श्री नीतीश जी हैं। मुझे इस बात का फख्र है कि हमारे चीफ मिनिस्टर ऐसे हैं, जो क्राइम और करप्शन के मामले में जीरो टॉलरेन्स रखते हैं और जिन्होंने कानून–व्यवस्था सुधारी है। मैं पटना पुलिस का भी प्रशंसक हूँ। मेरा इरादा कोई आलोचना करने का नहीं था, कोई पैरेलेल पुलिस हेडक्वार्टर खोलने का नहीं था। लेकिन पिछले चार–पाँच दिनों में उस बात का बहुत दुरूपयोग हुआ है और लोगों ने ऊँगली देखी है, चाँद नहीं देखा। मैं उस बात को आपके माध्यम से करेक्ट करना चाहता हूँ।''**

मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षान्त–समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री मलिक ने कहा कि आज की दुनियाँ तकनीकी विकास और समृद्धि पर निर्भर है। ज्ञान–विज्ञान और तकनीकी विकास के ही बल–बूते आज जर्मनी, जापान, अमेरिका, इजरायल आदि देश काफी तेजी से प्रगति कर रहे हैं और वहाँ की अर्थव्यवस्था भी मजबूत बन रही है। राज्यपाल ने कहा कि विश्व के सर्वश्रेष्ठ सौ संस्थानों में भारत के भी शिक्षण संस्थान शामिल हों, इसके लिए जरूरी है कि गुणवत्तापूर्ण (Quality Education) सुनिश्चित कराया जाय।

लगातार....पृष्ठ....2 पर

इसी क्रम में राज्यपाल ने बिहार में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे व्यापक सुधार–प्रयासों को उल्लेख करते हुए कहा कि 'एकेडमिक और परीक्षा कैलेण्डर' के अनुरूप नामांकन, वर्ग–संचालन, परीक्षाफल प्रकाशन आदि सुनिश्चित कराया जा रहा है। पुराने पाठ्यक्रमों की जगह सी॰बी॰सी॰एस॰ प्रणाली के अनुरूप नया मॉडल पाठ्यक्रम लागू हो रहा है। कक्षाओं के नियमित संचालन के लिए 'बायोमैट्रिक हाजिरी' की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के साथ–साथ सी॰सी॰टी॰वी॰ कैमरे भी संस्थापित हो रहे हैं। खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के विकास हेतु इस वर्ष खेलकूद की 'एकलव्य' प्रतियोगिता मगध विश्वविद्यालय, बोधगया तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिता 'तरंग' ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा द्वारा कॉलेज और यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों के लिए आयोजित हो रही है। राज्यपाल ने कहा कि 'राजभवन संवाद' प्रतियोगिता का पहली बार इस माह से प्रकाशन शुरू हुआ है और विश्वविद्यालयों/कॉलेजों को भी अपने न्यूज बुलेटिन/पत्रिका प्रकाशित करने को कहा गया है। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय परिसरों में हरित आवरण बढ़ाने तथा महीने में कम–से–कम एक दिन 'विशेष स्वच्छता अभियान' चलाने का निर्णय लिया गया है।

राज्यपाल ने कहा कि आनेवाला युग ज्ञान और तकनीकी विकास का युगा होगा। 'साईबर बार' के जरिये सुरक्षा–हथियारों को भी निष्प्रभावी बनाने के प्रयासों में तकनीकी विशेषज्ञ लगे हुए हैं। ऐसे में भारतीय तकनीकी विशेषज्ञों को भी अपने सुरक्षा–प्रबंधों को लेकर सजग रहना होगा।

राज्यपाल ने कहा कि आज भारत की 65 प्रतिशत युवाओं की प्रतिभा, परिश्रम और उनका समर्पण ही राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है।

राज्यपाल ने स्वर्णपदक एवं उपाधियाँ प्राप्त करनेवाले विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि आप पूरी ईमानदारी और निष्ठा से देश और प्रदेश की सेवा में जुड़ जाएँ। उन्होंने कहा कि शुरू में प्रत्येक युवा तो 'आदर्शवाद' से प्रभावित रहता है, परन्तु बाद में विभिन्न प्रकार के दबावों और सामाजिक कुचक्रों का शिकार हो जाने के खतरे बने रहते हैं, जिससे हर हालत में बचा जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि विकास की प्रक्रिया में पिछड़ गए समाज की अंतिम कतार में रहनेवाले अभिवंचित वर्ग के सदस्यों का भी युवाओं को पूरा ख्याल रखना चाहिए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि प्रो॰ अनिल डी॰ सहस्रबुद्धे (अध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्) ने कहा कि एन॰आई॰टी॰, पटना काफी प्रतिष्ठित पुरानी तकनीकी शिक्षण संस्था है। उन्होंने कहा कि संस्था के विकास के लिए Industry Linkage, शोध एवं नवाचारी शैक्षिक–आर्थिक पहल, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय नेटवर्किंग का विकास, पूर्ववर्त्ती छात्रों का मार्गदर्शन आदि बातें बहुत जरूरी हैं।

कार्यक्रम में एन॰आई॰टी॰ पटना के निदेशक प्रो॰ प्रदीप कुमार जैन ने स्वागत–भाषण किया एवं संस्था का प्रगति–प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

समारोह में विभिन्न संकायों के स्वर्ण पदक प्राप्तकर्त्ता विद्यार्थियों को मेडल और प्रमाण–पत्र प्रदान किए गये। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह, शासकीय मंडल, अभिषद् के सदस्यगण, संकायाध्यक्ष, शिक्षक एवं विद्यार्थीगण आदि भी उपस्थित थे।

.....